पारस

ने बनाया मुझे

गाँव का पहला

सी.ए.

CA Ajay Mittal

Credit Manager
HDFC Bank, Chandigarh

Vill. Sundawas, Distt. Hisar, Haryana

कॉमर्स के हर विद्यार्थी का सपना होता है 'सी.ए.' बनना और मेरे इस सपने को साकार किया है पारस इंस्टीट्यूट ने। एक 'सी.ए.' बनने पर आज जो गर्व मुझे हो रहा है उसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता और इसका श्रेय मैं मेरे माता-पिता व पारस इंस्टीट्यूट को देना चाहूंगा जिसकी बदौलत मैं एक मध्यम वर्गीय परिवार से संबंध रखते हुए भी यह मुकाम हासिल कर पाया। ग्रामीण पृष्ठभूमि से होने के बावजूद यहां के अनुभवी शिक्षकों ने जिस तरह से मेरा मार्गदर्शन किया उसके चलते ही मेरे नाम के साथ 16 जुलाई 2015 को 'सी.ए.' शब्द का संबोधन जुड़ पाया।

मैंने 10+2 तक हिन्दी मीडियम से पढ़ाई की थी। इसलिए मैं सी.ए. हिन्दी मीडियम से करना चाहता था, परन्तु इंस्टीट्यूट के शिक्षकों ने मुझे सी.ए. इंग्लिश मीडियम में करने की सलाह दी और सी.ए. को इंग्लिश मीडियम में पूरा करने में मेरी मदद की। पारस इंस्टीट्यूट पर सी.पी.टी. व आई.पी.सी.सी. की कोचिंग में मेरे कंसेप्ट इतने अच्छे क्लीयर कर दिये थे कि मैंने सी.ए. फाइनल के लगभग सभी सबजेक्ट सेल्फ स्ट्डी से ही तैयार कर लिये थे।

इस दौरान मुझे जब-जब सहयोग की जरूरत पड़ी चाहे वह घर से फोन पर ही कुछ पूछना क्यों न हो? पारस इंस्टीट्यूट ने मेरा पूरा साथ दिया और मुझे किसी भी मोड़ पर उनके मार्गदर्शन की कमी महसूस नहीं हुई।

मैं और मेरे माता-पिता, पारस इंस्टीट्यूट के सभी टीचर्स व मैनेजमैंट का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं जिनकी वजह से मैं यह मुकाम हासिल कर पाया और मुझे मेरे गांव सुंडावास में पहला सी.ए. बनने का गौरव प्राप्त हुआ।

अजय मित्तल